PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the Course : M. A. II Sem. IV

पाठ्यक्रम का नाम : एम.ए. II सत्र IV

Certificate Course

प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

विज्ञापन

कौशल विकास प्रश्नपत्र

With effect from June - 2021-2022

जून 2020–21 से आरंभ

➢ परिचय / Introduction

वर्तमान युग को बाजारवाद का युग कहा जाता है। इसलिए अर्थशास्त्र के सिध्दांत की बात करें तो 'मांग और पूर्ती' के आधार पर किसी भी वस्तु का मूल्य तय होता है। इसलिए उस वस्तु के मूल्य में वृध्दि हेतु विज्ञापन बहुत बड़ा किरदार आदा करता है। इस कारण विश्वभर में विज्ञापन का बोलबाल है। जो कई सारे रोजगार के अवसर की ओर हमें इगत करता है। इस वजह से भाषा एवं साहित्य के छात्रों को इस क्षेत्र की ओर आकर्षित करना इस प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का मुख्य लक्ष्य है।

➢ पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. विज्ञापन के स्वरूप से परिचित कराना।
2. विज्ञापन प्रक्रिया को समझाना।
3. विज्ञापन एवं उससे संबंधित क्षेत्रों के जनसंपर्क एवं कॉर्पोरेट संचार के क्षेत्रों की मूलभूत एवं उभरती हुई अवधारणाओं तथा सिद्धांतों की जानकारी देना।
4. विज्ञापन लेखन की क्षमता विकसित करना।
5. विज्ञापन के अनुवाद से अवगत कराना।
6. विज्ञापन की भाषा से अवगत कराना।
7 विज्ञापन के माध्यम से रोजगारपरक कौशल विकसित करना।

➢ पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. छात्र विज्ञापन कला से परिचत हो जायेंगे।
2. विज्ञापन की प्रक्रिया को समझ पायेंगे।
3. विज्ञापन एवं उससे संबंधित क्षेत्रों के जनसंपर्क एवं कॉर्पोरेट संचार के क्षेत्रों की मूलभूत एवं उभरती हुई अवधारणाओं तथा सिद्धांतों से परिचित होंगे।
4. छात्रों में विज्ञापन लेखन की क्षमता विकसित होगी।
5. छात्र विज्ञापन के अनुवाद से परिचित होंगे।
6. छात्र विज्ञापन की भाषाई सामर्थ्य को समझ सकेंगे।
7. छात्रों में विज्ञापन के अध्ययन से रोजगारपरक कौशल विकसित होगा।

➢ शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

CBCS PATTERN M. A. Hindi SEM. IV
[Credits: Theory-(04), Practical's-(00)]
प्रश्नपत्र का नामः विज्ञापन
Total Theory Lectures-(60), Credit 4

• **अध्ययनार्थ विषय :**

इकाई 1 (**Lectures 15, Credit 1**)

1 .विज्ञापनः अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
2. विज्ञापन की अवधारणा एवं सामाजिक पक्ष
3 विज्ञापन के अंग
4. विज्ञापन का महत्त्व एवं उद्देश्य

इकाई 2 (**Lectures 15, Credit 1**)

1. विज्ञापन के तत्त्व
2. विज्ञापन के माध्यम
3. विज्ञापन की आचारसंहिता
4. विज्ञापन कला

इकाई 3 (**Lectures 15, Credit 1**)

1. विज्ञापन का भाषिक विवेचन
2. विज्ञापन की भाषा
3. विज्ञापन भाषा की विशेषताएँ
4. विज्ञापन भाषा के गुण और लक्षण

इकाई 4 (**Lectures 15, Credit 1**)

2. विज्ञापन लेखन कला
1. विविध विज्ञापनों का लेखन–मुद्रित और दृक–श्राव्य
3. विज्ञापन एजेंसी
4. विज्ञापन का अनुवाद

संदर्भ ग्रंथ :

1. बलदेवराज गुप्त, भारत में जनसंपर्क, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. रामचंद्र तिवारीए विज्ञापनः व्यवसाय एवं कला, आलेख प्रकाशन, दिल्ली
3. डॉ. निशांत सिंह, विज्ञापन प्रबंधन, ओमेगा प्रकाशन, नई दिल्ली
4. डॉ. कृष्णकुमार रत्तू, विश्व मीडिया बाजार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
5. डॉ. मधु धवन, विज्ञापन कला, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. डॉ. प्रेमचंद पातंजलि, आधुनिक विज्ञापन

6. .www.rajbhasha.nic.in
7. hindi.indiawaterportel.org.vontent/vajanapana

▪